यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम का ग्लोबल एडिशन

प्रबंधन के विद्यार्थी नेचर प्रबंधन पर भी ध्यान दें : अनिल जोशी

भारतीय प्रबंधन संस्थान में यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम के ग्लोबल संस्करण का समापन

जासं, रांची : भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची ने अपने यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम (वाइसीपी) रूरल इमर्शन ब्रूटकैंप ग्लोबल संस्करण का समापन रविवार को किया। इसमें छह देशों और बीस राज्यों के प्रतिभागी शामिल हुए थे। कार्यक्रम के समापन सत्र में पद्मश्री व पद्मभूषण पर्यावरणविद अनिल प्रकाश जोशी, पद्मश्री अशोक भगत ने संबोधित किया। जोशी ने मौजूदा विकास की अंधी दौड़ के बजाय टिकाऊ प्रबंधन पर जोर दिया। मिट्टी के क्षरण, पानी की कमी और प्रदूषण में योगदान देने वाली मौजूदा स्थितियों की आलोचना की और सतत विकास के लिए जीडीपी के समान पारिस्थितिक विकास के उपाय पर जोर दिया। जोशी ने प्रबंधन के छात्रों को बताया कि वे केवल कंपनियों-उद्योगों के लिए ही प्रबंधन का काम न करें, नेचर के प्रबंधन पर भी ध्यान दें। संसाधनों के सतत प्रबंधन की तात्कालिकता पर जोर देते हुए एक ऐसी प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया जो जिम्मेदार उपयोग को प्राथमिकता दे। उन्होंने मानव बुद्धि की अदूरदर्शिता पर अफसोस जताते हुए कहा कि हम प्रकृति को बिना समझे दोहन किए जा रहे हैं। मिट्टी का क्षरण हो रहा है। हवा खराब हो गई है। प्रदूषण से जीवन दूभर है। उन्होंने यमुना का उदाहरण दिया कि दिल्ली में नदी भी प्रदूषित हो गई, और हवा भी। हमें आर्थिक विकास के साथ-साथ प्रकृति की भी चिंता करनी पड़ेगी। आर्थिक मूल्यांकन में बदलाव की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। पद्मश्री अशोक भगत ने अपनी जड़ों की ओर लौटने की वकालत की और भारतीय दर्शन और गांधी और विवेकानंद जैसे दूरदर्शी लोगों की शिक्षाओं की गहन खोज का आग्रह किया। समाज के भीतर एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में आध्यात्मिकता के सार पर जोर देते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसमें अलगाव शामिल नहीं है, बल्कि यह एक दिशा सूचक यंत्र के रूप में कार्य करता है। उन्होंने भारतीय संस्कृति की समृद्ध टेपेस्ट्री को बनाए रखने में उनके प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की, हमारी विरासत के भीतर गहराई से गूंजने वाले इन मूलभूत सिद्धांतों को संरक्षित करने और संजोने के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में छात्रों ने रासाबेड़ा में किए गए काम के बारे में बताया। उस गांव की समस्याओं को रेखांकित किया। आइआइएम के निदेशक प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने अनिल जोशी का स्वागत किया। समापन पर टीम सत्व को कार्यक्रम पुरस्कार विजेता प्रमाणपत्र प्रदान किया, जिसमें हुसैन नखोदा, लेखाना, अमल्य जयवेल, वैष्णवी स्वधा शामिल थे।

आइआइएम के यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम के समापन समारोह में पद्मभूषण अनिल प्रकाश जोशी, पद्मश्री अशोक भगत के साथ विद्यार्थी • जागरण

'विकास और प्रकृति के बीच संतुलन का होना बहुत जरूरी'

साक्षात्कार

संजय कृष्ण • रांची

जल-जंगल जीवन के लिए जरूरी है। जल-जंगल से हमें शुद्ध हवा मिलती है। आज न हमारे पास शुद्ध हवा है, न पानी और जंगल धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। विकास भी जरूरी है और प्रकृति भी। दोनों के बीच क्या कोई तालमेल संभव है? पद्मभूषण से सम्मानित पर्यावरणविद् डा. अनिल प्रकाश जोशी इसका रास्ता सुझाते हैं। वह कहते हैं, विकास भी जरूरी है। हमें अच्छी सड़कें चाहिए। फाइव स्टार होटल भी चाहिए। लेकिन इन सबके साथ जंगल भी चाहिए, जल भी चाहिए। इनका कोई विकल्प नहीं है। तो हमें क्या करना चाहिए? हमें इनके संरक्षण का भी ध्यान देना चाहिए। पेड़ कटे तो लगाना भी चाहिए। सबसे जरूरी चीज है, जल। हमारे पास वर्षा ही जल का प्रमुख स्रोत है। ध्यान देना होगा कि इसको कितना संरक्षित कर सकते हैं।

वर्षा के जल का संरक्षण जरूरी : रविवार को एक कार्यक्रम में भाग लेने रांची आए डा. जोशी ने दैनिक जागरण से अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि झारखंड में खदानें बहुत हैं। जो खदानें बेकार हो गई हैं, उसमें जल का संरक्षण किया जाना चाहिए। इसका उपयोग हम खेती में भी कर सकते हैं। आज रांची का विकास इतना हो गया है कि यहां की चमचमाती सड़कों पर पैदल यात्रियों से अधिक गाड़ियां हैं। आम आदमी के लिए सड़क बची ही नहीं है। आज इकोलाजी का देश गांव वाले ही झेल रहे हैं। झारखंड वर्षा पर निर्भर है तो हमें अधिक से अधिक वर्षा के जल को रोकना चाहिए। सड़क किनारे दो पेड़ों के बीच भी हम ऐसी व्यवस्था करें तो वर्षा का जल अंदर चला जाएगा। हमने जल के मार्ग को भी अवरुद्ध कर दिया है। हम जल मार्ग के बीच में छोटे-छोटे बांध बना सकते हैं।

डा. अनिल प्रकाश जोशी • जागरण

नेचर नेटवर्क की जरूरत : डा. जोशी ने कहा कि हम नेचर नेटवर्क बना रहे हैं। झारखंड को भी जोड़ेंगे। लोगों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील और जवाबदेह बनाया जाएगा। झारखंड में ऐसे लोग, जिनकी रुचि प्रकृति में है, उनको इस अभियान से जोड़ा जाएगा। हम इस अभियान में संस्थाओं को भी जोड़ेंगे और हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा और इसे प्रमुख नेताओं, मुख्यमंत्रियों, केंद्र सरकार को भेजा जाएगा ताकि हर पार्टी अपने घोषणा पत्र में प्रकृति की भी चिंता करे।

जीडीपी के साथ जीईपी की भी चिंता करें : जीडीपी के साथ जीईपी की चिंता भी करनी होगी। जीईपी यानी ग्रास एनवायरनमेंट प्रोडक्ट। सरकार को सिर्फ यह नहीं बताना है कि प्रति व्यक्ति आमदनी कितनी बढ़ी, कितने उद्योग लगे, हमारी इकोनामी कहां पहुंची, बल्कि यह भी बताए कि कितना वर्षा के जल रोका, कितनी हवा को शुद्ध किया और कितनी मिट्टी को ऊपजाऊ बना दिया। आज देखिए, शुद्ध जल व हवा के लिए मशीन लगाए हुए हैं।

Dainik Jagran, 25.12.2023, Page 3

आइआइएम रांची. यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम का समापन

विकास के साथ पर्यावरण का संरक्षण आवश्यक है : जोशी

संवाददाता, रांची

आइआइएम रांची के तत्वावधान में आयोजित यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम के ग्लोबल एडिशन का रविवार को समापन हो गया. इसमें छह देश और 20 राज्यों के प्रतिभागी शामिल हुए थे. समापन समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री और पद्मभूषण अवार्डी अनिल जोशी और पद्मश्री अशोक भगत ने प्रतिभागियों को अवार्ड देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर अनिल जोशी ने कहा कि देश और दुनिया के लिए विकास जरूरी है, लेकिन उसके साथ-साथ पर्यावरण को संरक्षित करना भी उतना ही जरूरी है. आज की तारीख में लोग विकास की आड़ में पर्यावरण को क्षति पहुंचा रहे हैं और उन्हें रोकने वाला कोई नहीं है.

कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी और अन्य.

उन्होंने कहा कि अगर हम अपने देश और समाज का पूर्ण विकास चाहते हैं तो उसके लिए इकोलॉजिकल और इकोनॉमिकल, दोनों का संतुलन बनाकर रहने देना चाहिए. संस्थान को इकोनॉमिकल मैनेजमेंट के साथ-साथ इकोलॉजिकल मैनेजमेंट के बारे में भी छात्रों को जानकारी देनी चाहिए. आज के हालात बदल रहे हैं, देश के सभी बड़े शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स खराब होता जा रहा है, लेकिन लोग अपने संसाधनों में कमी करने को तैयार नहीं हैं. लोगों को पर्यावरण के बारे में समझाने के लिए पूरे देश में नेचर नेटवर्क बनाने का प्रयास उनके द्वारा किया जा रहा है, जिससे लोग प्रकृति को बचाने के प्रति सजग हो.

वहीं आइआइएम के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे इस कार्यक्रम के माध्यम से बेहतर भविष्य की तैयारी की जा रही है. इस अवसर पर प्रो गौरव मराठे सहित अन्य मौजूद थे.

Prabhat Khabar, 25.12.2023, Page7

आईआईएम में यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम का समापन

रांची। आईआईएम रांची में आयोजित यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम (वाईसीपी) रूरल इमर्शन बूटकैंप ग्लोबल संस्करण का समापन रविवार को हुआ। इसमें छह देशों और 20 राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन सत्र में पद्म भूषणअनिल जोशी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। पद्म श्री अशोक भगत ने भी अभ्यर्थियों को प्रोत्साहितकिया। इसमें भाग लेनेवालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

Hindustan, 25.12.2023, Page9

आईआईएम राँची ने यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम के वैश्विक संस्करण का किया समापन

by Nitesh Verma December 24, 2023 0 16

SHARE 0

नितीश_मिश्र

राँची(खबर_आजतक): भारतीय प्रबंधन संस्थान राँची ने अपने यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम (वाईसीपी) – रूरल इमर्शन बूटकैंप ग्लोबल संस्करण का समापन एक प्रेरक समापन समारोह के साथ किया जिसमें छह देशों और बीस राज्यों के प्रतिभागियों की मेजबानी की गई। इस कार्यक्रम का समापन सत्र पद्मश्री (2006) और पद्म भूषण (2020) अनिल जोशी के मुख्य भाषण और पुरस्कार वितरण समारोह और समापन भाषण पद्मश्री (2015) अशोक भगत के साथ था। इस दौरान पद्म भूषण अनिल जोशी के संबोधन में टिकाऊ संसाधन प्रबंधन पर जोर दिया गया और अदूरदर्शी शोषण के खतरों पर प्रकाश

डाला गया। उन्होंने मिट्टी के क्षरण, पानी की कमी और प्रदूषण में योगदान देने वाली मौजूदा प्रथाओं की आलोचना की और सतत विकास के लिए जीडीपी के समान पारिस्थितिक विकास उपाय की वकालत की।

वहीं अपने मार्मिक भाषण में अनिल जोशी ने संसाधनों के सतत प्रबंधन की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला, और एक ऐसी प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया जो जिम्मेदार उपयोग को प्राथमिकता दे। उन्होंने मानव बुद्धि की अदूरदर्शिता पर अफसोस जताया, जो अक्सर प्रकृति के साथ उनके अंतर्संबंध पर विचार किए बिना संसाधनों का दोहन करती है। पद्म भूषण अनिल जोशी मिट्टी के क्षरण, पानी की कमी और प्रदूषण में योगदान देने वाली वर्तमान प्रथाओं के बारे में चिंतित हैं और इन चुनौतियों को बढ़ाने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के वस्तुकरण और असमान वितरण को जिम्मेदार ठहराते हैं।

इसके अतिरिक्त उन्होंने आर्थिक मूल्यांकन में बदलाव की आवश्यकता पर प्रकाश डाला जिसमें सकल घरेलू उत्पाद के समान पारिस्थितिक विकास उपाय का सुझाव दिया गया, जिसे जीईपी (सकल पारिस्थितिक उत्पाद) कहा गया, जो सतत विकास के लिए एक मीट्रिक है। जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ, असाधारण कौशल और अभिनव समस्या-समाधान कौशल की मान्यता में प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव और पद्म भूषण अनिल जोशी ने टीम सत्व को कार्यक्रम पुरस्कार विजेता प्रमाणपत्र प्रदान किया जिसमें विद्वान सदस्य हुसैन नखोदा, लेखाना, अमर्त्य जयवेल, वैष्णवी स्वधा शामिल थे। वीक्षा कुमारन।

इस दौरान अपना व्याख्यान देते हुए प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने दर्शकों को वाईसीपी कार्यक्रम की अनूठी प्रकृति और इसे एक उज्जवल भविष्य में विकसित होते देखने की अपनी इच्छा से अवगत कराया।

एक विचारोत्तेजक संबोधन में पद्मश्री अशोक भगत ने अपनी जड़ों की ओर लौटने की वकालत की और भारतीय दर्शन और गाँधी और विवेकानंद जैसे दूरदर्शी लोगों की शिक्षाओं की गहन खोज का आग्रह किया। समाज के भीतर एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में आध्यात्मिकता के सार पर जोर देते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसमें अलगाव शामिल नहीं है, बल्कि यह एक दिशा सूचक यंत्र के रूप में कार्य करता है, जो समाज को धार्मिकता की ओर ले जाता है। उन्होंने भारतीय संस्कृति की समृद्ध टेपेस्ट्री को बनाए रखने में उनके प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की, हमारी विरासत के भीतर गहराई से गूँजने वाले इन मूलभूत सिद्धांतों को संरक्षित करने और संजोने के महत्व को रेखांकित किया।

जैसे ही कार्यवाही का पर्दा उठा प्रोफेसर गौरव मराठे ने एक नवजात विचार के उज्ज्वल पहल में बदलने के लिए गहरा आभार व्यक्त किया।

इस समारोह का समापन आशा और आकांक्षा के मार्मिक स्वर के साथ हुआ।

IIM रांची में यंग चेंज मेकर्स प्रोग्राम शुरू, देश-विदेश के 80 स्टूडेंट्स पहुंचे

संस्थान के निदेशक दीपक कुमार श्रीवास्तव बोले- यह एक्सपीरियंस लर्निंग के लिए बेहतर मंच साबित होगा

सिटी रिपोर्टर | रांची

आईआईएम रांची में गुरुवार से यंग चेंज मेकर्स प्रोग्राम (वाईसीपी) की शुरुआत हुई। यह रूरल इमर्सन बूट कैंप है, जो 24 दिसंबर तक चलेगा। इसमें 9वीं से 12वीं तक के देश-विदेश के कुल 80 स्टूडेंट्स भाग ले रहे हैं। 80 में 11 विदेशी 11 प्रतिभागी हैं। प्रोग्राम के मुख्य अतिथि ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर डॉ. एंड्रयू फ्लेमिंग, संस्थान के डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव व प्रो. गौरव मराठे आदि थे। डॉ. फ्लेमिंग ने भारत के विभिन्न राज्यों की विशिष्टता और विविधता पर चर्चा की। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों और चुनौतियों के बारे में बताते हुए छात्रों को प्रोत्साहित किया। दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि छात्र-छात्राएं वाईसीपी के माध्यम से समाज की वास्तविक चुनौतियों को समझ सकेंगे। एक्सपीरियंस लर्निंग के लिए यह बेहतर मंच साबित होगा। प्रो. गौरव मनोहर मराठे ने इस प्रोग्राम के उद्देश्य को विस्तार से बताया।

आज लाइव केस स्टडी समझने रासाबेड़ा जाएंगे स्टूडेंट्स

चार दिन के सेशन में ग्लोबल चैलेंज, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल, दूसरों के लिए काम करने की सोच, टीम वर्क की महत्ता आदि के बारे में बताया जाएगा। वहीं, आईएफएस सिद्धार्थ त्रिपाठी ने सोशल चेंज के बारे में बताया। शुक्रवार को छात्रों को ग्रुप में बांटकर अनगड़ा स्थित रासाबेड़ा गांव ले जाया जाएगा, छात्र वहां लाइव केस स्टडी से ग्रामीणों की समस्याएं और अन्य चीजों को समझेंगे। तीसरे दिन शनिवार को छात्रों को डिजाइन थिंकिंग, क्वांटिटेटिव मेथड ऑफ डिसीजन मेकिंग के माध्यम से डेटा के आधार पर समस्या को समझने आदि के टिप्स दिए जाएंगे। वहीं, चौथे दिन रविवार को छात्र सामाजिक मुद्दों के व्यावहारिक समाधान खोजने पर प्रोफेसरों के साथ काम काम करेंगे।

Dainik Bhaskar_22.12.2023_Pg. 03

यंग चेंज मेकर्स प्रोग्राम के लिए 80 युवा हुए चयनित

रांची : आइआइएम रांची ने यंग चेंज मेकर्स प्रोग्राम (वाईसीपी) रूरल इमर्शन बूटकैंप के वैश्विक संस्करण का उद्घाटन किया। व्यापक और बहुआयामी विकास की दृष्टि के साथ वाईसीपी ने छह अलग-अलग देशों और 20 राज्यों से असाधारण प्रतिभा का एक पूल इकट्ठा किया, जिसने 3000 से अधिक उत्साही उम्मीदवारों को आकर्षित किया। एक कठोर चयन प्रक्रिया के बाद इस असाधारण शैक्षिक उद्यम में भाग लेने के लिए 80 उत्कृष्ट व्यक्तियों को चुना गया। अध्यक्ष, सामाजिक प्रभाव समिति, आइआइएम रांची प्रो. गौरव मनोहर मराठे ने कार्यक्रम का विचार प्रस्तुत किया। (जासं)

Dainik Jagran_22.12.2023_Pg. 07

आईआईएम रांची में 'यंग चेंजमेकर्स' कार्यक्रम शुरू

रांची। आईआईएम रांची में यंग चेंजमेकर्स कार्यक्रम का आगाज़ गुरुवार को हुआ। यह रूरल इमर्शन बूट कैंप है, जो 24 दिसंबर तक चलेगा। इसमें 9वीं से 12वीं कक्षा तक के 80 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर डॉ एंड्रयू फ्लेमिंग, संस्थान के निदेशक दीपक कुमार श्रीवास्तव और प्रो गौरव मराठे ने किया।

डॉ एंड्रयू फ्लेमिंग ने भारत के विभिन्न राज्यों की विशिष्टता के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों और उनके सामने आनेवाली चुनौतियों के बारे में बताया। निदेशक दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि छात्र-छात्राएं इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज की वास्तविक चुनौतियों को समझ सकेंगे। प्रो गौरव मनोहर मराठे ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया और शामिल छात्रों को प्रमाणपत्र वितरण किए।

Hindustan_22.12.2023_Pg. 06

यंग चेंजमेकर्स के ग्लोबल एडिशन का उदघाटन

रांची. आइआइएम रांची में गुरुवार को यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम के ग्लोबल एडिशन का उदघाटन किया गया. इसका उद्देश्य बहुमुखी प्रतिभा को बढ़ावा देना है. यह एक ऐसा पूल है जिसमें छह अलग-अलग देश और 20 राज्यों के 3000 से अधिक अभ्यर्थी जुड़े हुए हैं. आइआइएम के सोशल इंपैक्ट कमेटी के चेयरपर्सन प्रो गौरव मनोहर मराठे ने इस कार्यक्रम से संबंधित विचार प्रस्तुत किये और बताया कि इसमें पार्टिशिपेट करने वाले युवा गांवों का दौरा कर सामाजिक बदलाव की ओर अग्रसर होंगे. निदेशक प्रो दीपक गुप्ता ने चयनित प्रतिभागियों को बधाई दी. उन्होंने कहा कि यह प्रोग्राम सामाजिक शिक्षा के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम करता है. मौके पर ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर डॉ एंड्रयू फ्लेमिंग को सम्मानित किया गया. वहीं पिछले वर्ष के विजेता रिषव गांगुली और हिमानी शाह ने अपनी बात रखी.

Prabhat Khabar_22.12.2023_Pg. 05

भारत का प्रत्येक राज्य एक देश के जैसा : डॉ. एंड्रयू फ्लेमिंग

संवाददाता । रांची

आईआईएम रांची में चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है. इस कार्यशाला में ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कैसे किया जाए इस पर वक्ताओं द्वारा बताया गया. कार्यक्रम का नाम यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम(वाईसीपी) रखा गया है. इसमें 80 लोग शामिल हुए हैं, जिनमें से विदेश के 12 और बाकी भारत के अलग अलग राज्यों से आए हैं. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्वी और उत्तर पूर्वी भारत के ब्रिटिश उप उच्चायुक्त डॉ. एंड्रयू फ्लेमिंग उपस्थित रहे. कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत के 28 राज्यों में अविश्वसनीय विविधता, भारत के प्रत्येक राज्य एक देश के जैसा है. उन्होंने अपने स्कूल के दिनों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को याद किया और भारत में रहने के दौरान उनके द्वारा देखे गए गहन परिवर्तनों के बातों को साझा किया. आईआईएम के सामाजिक प्रभाव समिति के अध्यक्ष प्रो. गौरव मनोहर मराठे ने कहा कि यह विचार प्रतिभागियों को गांवों का दौरा करने, प्रत्यक्ष अनुभवात्मक शिक्षा में डूबने और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए सामूहिक रूप से विचार-मंथन करने में सक्षम बनाने पर केंद्रित है. इस कार्यक्रम में अलग-अलग दिन अलग-अलग वक्ता शामिल होंगे. उनमें ब्यूरोक्रेट से लेकर समाजसेवी और शिक्षाविद शामिल होंगे. आईआईएम के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने वाईसीपी छात्रों को बधाई दी तथा छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार रहने को कहा. उन्होंने पारंपरिक शिक्षा प्रणालियों की सीमाओं को पहचान करने को कहा. वाईसीपी सामाजिक बुद्धिमत्ता और सांस्कृतिक जागरूकता पैदा करने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में उभरता है. उन्होंने छात्रों को मूलमंत्र दिए.

Lagatar news_22.12.2023_Pg. 07

आइआइएम रांची में यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम का दूसरा संस्करण 21 से

रांची. आइआइएम रांची में यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम का दूसरा संस्करण 21 से 24 दिसंबर तक होगा. इसमें इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट और देश भर के विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थी (अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों से 11 व देश भर से 80) हिस्सा लेंगे. कार्यक्रम के तहत रूरल इमर्शन बूटकैंप यानी ग्रामीण अध्ययन शिविर में विद्यार्थियों को क्षेत्रीय समस्याओं से रूबरू कराया जायेगा. इसके बाद विद्यार्थी प्रबंधन कौशल से चिह्नित समस्याओं का निष्पादन करेंगे. निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम दौरान विद्यार्थियों को लाइव केस स्टडी के जरिये ग्रामीणों की वस्तुस्थिति, समस्या व अन्य चुनौतियों की जानकारी दी जायेगी. दूसरे संस्करण के आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है. इसमें देश के विभिन्न राज्य में संचालित शैक्षणिक संस्थानों से 1500 आवेदन आये थे.

Prabhat Khabar_20.12.2023_Pg. 10

IIM रांची: यंग चेंज मेकर्स प्रोग्राम 21 से 24 तक, देश व विदेश के 80 प्रतिभागी लेंगे भाग

सिटी रिपोर्टर | रांची

आईआईएम रांची की ओर से शुरू किए गए यंग चेंज मेकर्स प्रोग्राम का दूसरा संस्करण शुरू होने वाला है। यह रूरल इमर्सन बूट कैंप होगा। जो 21 दिसंबर से 24 दिसंबर तक चलेगा। इसमें देश व विदेश के कुल 80 प्रतिभागी भाग लेंगे। जिसमें विदेश के 11 प्रतिभागी शामिल हैं। इसके लिए देश के विभिन्न विभिन्न राज्यों से 1500 आवेदन आए थे। इसके लिए देश के प्रतिभागियों को तीन राउंड से गुजरना पड़ा। पहले छात्रों को स्टेटमेंट ऑफ पर्पस भेजना था, इसके बाद क्विज व इंटरव्यू के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के समस्या, रोजाना की चुनौतियों को समझेंगे। साथ ही उस समस्या को दूर करने के लिए व्यवहारिक समाधान भी बताएंगे। इसमें 9वीं से 12वीं या किसी समकक्ष शैक्षिक कार्यक्रम में नामांकित सभी विषयों के छात्र भाग लेंगे। जिसमें छात्र लाइव केस स्टडी के माध्यम से ग्रामिणों की समस्याओं व अन्य चीजों को समझेंगे। इस प्रोग्राम के माध्यम से छात्रों को एक्सपीरियंस लर्निंग प्राप्त होगी।

मारवाड़ी कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस पर सेमिनार

रांची | मारवाड़ी कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में गणित विभाग ने सोमवार को सेमिनार का आयोजन किया। मुख्य अतिथि डॉ. केसी प्रसाद, प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार, डॉ. आरए तिवारी, डॉ. हिमांशु कुमार पांडेय, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. घनश्याम प्रसाद व डॉ. कौशिक हलधर ने विचार रखे। प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार ने करियर के क्षेत्र में गणित की उपयोगिता का महत्व बताया। वहीं, डॉ. केसी प्रसाद ने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन से जुड़े पहलुओं की जानकारी दी।

Dainik Bhaskar, 19.12.2023, P.3